संपादकीय मंडल

विनीता शर्मा

डॉ. मंजू गुप्ता

प्रो. कृष्ण कुमार शर्मा 'सुमित'

विशेष सलाहकार

डॉ. विजी एस

डॉ. एस ए मंजुनाथ

आवरण चित्र

सुहानी मंडोवरा, बेंगलुरु

पत्रिका पूर्णतया अव्यावसायिक व साहित्य के प्रति समर्पित है।

© इस पुस्तक के किसी भी अंश को बिना प्रकाशक की अनुमति के प्रकाशित करना प्रतिलिपि अपराध माना जाएगा।

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : 2021

संपादकीय कार्यालय

F-7 श्री [illegible]

[illegible]

- 560066

दूरभाष : [illegible]

राष्ट्रीय कवि संगम

राष्ट्र जागरण धर्म हमारा

कर्नाटक

द्वारा प्रकाशित

मेरे अपने राम

ನನ್ನ ಆರಾಧ್ಯ ರಾಮ

त्रिभाषी साझा काव्य संकलन

संयोजक एवं संपादक

डॉ. (मा.) अरविंद कुमार गुप्ता

अध्यक्ष, राष्ट्रीय कवि संगम बेंगलुरु (कर्नाटक)

संपादिका

अनिता तोमर 'अनुपमा'

जयश्री राजू

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	रचनाकार का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	संपादकीय	01-02
2.	सुलेखा कुलश्रेष्ठ	03-08
3.	प्रतीक भारत पलोड़	09-11
4.	नन्द लाल मणि त्रिपाठी 'पीताम्बर'	12-14
5.	डॉ. मलकप्पा अलियास महेश	15-18
6.	पूजा शर्मा	19-20
7.	डॉ. मंजु गुप्ता	21-30
8.	सावन कुमार	31
9	मिलिंद जाधव	32-38
10	प्रो. शांति कोकिला	39-43
11.	हरि कृष्ण गुप्ता	44-46
12.	डॉ. (मा) अरविन्द कुमार गुप्ता	47-55
13.	रंजीता कुलश्रेष्ठ	56-59
14.	डॉ. बी निर्मला	60-65
15.	डॉ. आदित्य शुक्ला	66
16.	सुनीता सैनी	67-68
17.	विनोद क्वात्रा	69-72
18.	उर्मिला श्रीवास्तव 'उर्मि'	73-75
19	डॉ.वासुदेवन 'शेष'	76-79
20.	प्रार्थेद्र नाथ मिश्र	80-86
21.	डॉ.मंजु रूस्तगी	87
22.	श्री कृष्ण कुमार शर्मा 'सुमित'	88
23.	विनीता शर्मा	89
24.	रूपा त्रिवेदी	90-91
25.	अनिता तोमर 'अनुपमा'	92
26.	मनोज कुमार चतुर्वेदी	93-95
27.	प्रो. माधुरी क्षीरसागर	96
28.	डॉ. सौम्या सी डी	97

Mrs. Madhuri Rajeev Kshirsagar
Asst-prof Hindi department
publication form

संपादक मंडल

संयोजन एवं संपादन
डॉ.(मा) अरविन्द कुमार गुप्ता

संपादिका
अनिता तोमर "अनुपमा"

संपादिका
जयश्री राजू

विनीता शर्मा

डॉ. मंजु गुप्ता

पी. कृष्ण कुमार शर्मा 'कुमि'

विशेष सलाहकार
डॉ. विजी एम

विशेष सलाहकार
डॉ. एस ए मंजुनाथ

मेरे अपने राम

Mere Apne Ram

हिन्दी एवं कन्नड सांझा संग्रह

लेखक/ संपादक

संयोजन एवं संपादन -
डॉ (मा) अरविन्द कुमार गुप्ता
संपादिका-अनिता तोमर अनुपमा (हिंदी)
...जयश्री राजू (कन्नड़)

संस्करण : प्रथम
कीमत रू. 300/- पृष्ठ-170

प्रकाशक
वर्तमान अंकुर
बी-92 सेक्टर-6 नोएडा
गौतमबुद्ध नगर
मो.8800441944
mail id
vartmanankur@gmail.com

वर्तमान अंकुर

मूल्य: 300/- पृष्ठ-170
आईएसबीएन न: 978-81-955313-2-5
978-81-955313-2-5

८१. हमारे राम

प्रजातंत्र प्रतीक हमारे,
राम भारत की शान है,
देश प्रेम प्रतीक हमारे
राम भारत के प्राण है।

विश्व में भारी महिमा
वो दशरथ प्यारे नंदन है,
दीन दुखी के तारक वो तो
जन जन के अधिनायक है।

जाति - पाति ऊपर वो
झूठे बेर भी प्यारे है,
राम - राम हमारे राम,
सीताराम हमारे है।

अहिल्या के उद्धारक वो तो
प्राण - मनुज वो तारे है,
बालि - वध न्याय स्थापना
सुग्रीव सखा प्रिय प्यारे है।

पवन पुत्र की आत्मा
और हृदय सदन में बसते है।
सरल भाव कठोर प्रतिज्ञा,
मन भाव में बसते है।
राम – राम तुलसी के राम
जनमानस वो प्यारे है।

कौशल्या के नंदन का
सर्वस्व अभिनंदन करते है।
कोटि नमन हम करते है।
रामेश्वरम में शिवा स्थापना,
सागर लाघव वो करते है।

पवन पुत्र हनुमान हमारे
सिया राम कह रमते है।

अत्याचारी, शोषक,
अन्यायी दशानन
समूल नष्ट करते है।
मानव हित में तत्पर वो तो
प्रजातंत्र वो रचते है।

दानव - दलन घोर उत्पीड़न
सर्वस्व नष्ट वो करते है,
भारत की आत्मा प्यारे राम,
रोम रोम में बसते है।

समष्टि उद्धारक देश प्रेम का
प्रेममय राग में रमते है,
राम, राम, जय श्री राम
अखिल ब्रम्हांड में बसते है।

मनोज कुमार चतुर्वेदी

८२. जय सिया-राम

ऋषि वशिष्ठ संग आए
राम लखन मन भाए...
देख रूप सौंदर्य प्रभु का
जनकपुरी के जन-जन हरखाए...
पुष्प वाटिका के पुष्प भी आनंद से खिल खिल गए।
लेकर गुरु की आज्ञा
चुनने पुष्प भली भोर में
चले लखन सह राम उपवन में।

प्रभु के पावन स्पर्श से पल्लवित हुई पुष्प लताएं।
देख प्रभु रूप सखी सिय को कथन कराए...
वीर, तेज पुरुष पुष्प वाटिका है पधारे।
संकेत शिव शक्ति मिलन का
था निमित्त मनुष्य जन्म का
हेतु दुष्ट के संहार का
विश्व के कल्याण का।

सीता स्वयंवर का क्षण आया समीप
वीर धनुर्धर हुए परास्त सभी
न हिला पाया कोई शिवधनुष्य को।
एक पावन मुस्कुराहट संग प्रभु ने किया गुरु वंदन।
सहज उठाकर शिवधनुष्य को
चढ़ाई प्रत्यंचा, हुई गर्जना
चकित रहे जन सभी।
देवरूप देख राम जानकी का
जन्म हुआ सार्थक सभी का।

आशीष देने देवलोक से स्वयं पधारे देवगण...
मुख से जयघोष बस यही था
जय सियाराम जय सियाराम।।

स.प्रो श्रीमती माधुरी राजीव क्षीरसागर
बेंगलुरु, कर्नाटक